छत्तीसगढ़ का पहला मिड-डे अखबार
जनता से रिश्ता

कोविड 19 के चलते सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप फिलहाल टली : नयी दिल्ली। लखनऊ में 27 अप्रैल से तीन मई तक होने वाली 84वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप कोविड 19 महामारी के कारण फिलहाल टाल दी गई है । भारतीय बैडमिंटन संघ ने सभी राज्य सचिवों से लखनऊ के टिकट नहीं कटाने के लिये कहा है। बाइ के अजय सिंघानिया ने कहा ,'' हमने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण फिलहाल 84वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप और 75वीं अंतर प्रांत, अंतर क्षेत्र चैम्पियनशिप टाल दी है । हमने राज्य सचिवों से लखनऊ के टिकट नहीं कटाने के लिये कहा है।''

ताजा खबर
संक्षिप्त

कोरोना वायरस : पठान बंधुओं ने बांटे 4000 मास्क

वडोदरा। पूर्व भारतीय क्रिकेट इरफान पठान और उनके भाई यूसुफ पठान ने कोविड-19 महामारी का सामना करने के लिए मानवीय आधार पर 4000 मास्क दान किए हैं। भारत के लिए 29 टेस्ट और 120 एकदिवसीय खेलने वाले इरफान ने यूसुफ को टैग करते हुए ट्वीट किया, 'समाज के लिए अपना योगदान कर रहे है। जो भी लोग ऐसा कर सकते हैं कृपया आगे बढ़ें और एक दूसरे की मदद करें लेकिन भीड़ इकट्ठा ना होने दे। यह एक छोटी सी शुरुआत है उम्मीद है कि हम और अधिक मदद करते रहेंगे।% इरफान ने इसके साथ ही एक वीडियो संदेश में कहा कि उन्होंने और उनके भाई ने महमूद खान पठान चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम पर मास्क खरीदे। इस ट्रस्ट का संचालन उनके पिता करते है। उन्होंने बताया कि इन मास्क को वडोदरा स्वास्थ्य विभाग को दिया गया है जो इन्हें जरूरतमंदों को बांटेगा।

बेन स्टोक्स हार्दिक पांड्या से बेहतर : ब्रैड हॉग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर ब्रैड हॉग का मानना है कि इंग्लैंड के क्रिकेटर बेन स्टोक्स भारतीय धुरंधर हार्दिक पंड्या से बेहतर ऑलराउंडर हैं। पंड्या और स्टोक्स के बीच हमेशा से तुलना होती रही है और जब एक भारतीय फैन ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज से उनकी पसंद पूछी तो उन्होंने इंग्लिश क्रिकेटर को चुना। हॉग ने ट्विटर पर एक यूजर के रिप्लाई में कहा कि हार्दिक में काफी क्षमताएं हैं, फिर भी स्टोक्स उनकी वर्ल्ड-इलेवन टीम में रहेंगे। एक यूजर दासगुप्ता ने उनसे पूछा, कौन बेहतर ऑलराउंडर है, हार्दिक पंड्या या बेन स्टोक्स? इस पर हॉग ने लिखा, मैं इस पर इंग्लिश क्रिकेटर के साथ जाऊंगा। हार्दिक में काफी क्षमता है, लेकिन स्टोक्स को चुनौती देने के लिए उन्होंने पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है जो कि मेरी वर्ल्ड इलेवन के हरफनमौला खिलाड़ी हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीकी टीम के भारत दौरे से वापसी तो की लेकिन इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया जबकि शेष दोनों मैच कोरोना वायरस के कारण स्थगित कर दिए गए। अब तक 63 टेस्ट, 95 वनडे और 26 टी20 इंटरनैशनल मैच खेल चुके इंग्लैंड के स्टार बेन स्टोक्स को जनवरी में आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था।

कोरोना ने ओलंपिक पर भी लगाया ब्रेक

एक साल के लिए टला खेलों का महाकुंभ

नईदिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने मंगलवार को घोषणा की कि विश्व भर में फैली कोरोना वायरस महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक खेल 2020 को अगले साल गर्मियों तक के लिये स्थगित कर दिया गया है। पूर्व कार्यक्रम के अनुसार इन खेलों का आयोजन 24 जुलाई से नौ अगस्त के बीच होना था लेकिन आईओसी अध्यक्ष थामस बाक और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे के बीच टेलीफोन पर बातचीत के बाद ओलंपिक को पहली बार शांतिकाल में भी स्थगित करने का ऐतिहासिक फैसला किया गया। आबे ने इससे पहले कहा था कि जापान ने आईओसी से खेलों को एक साल के लिये स्थगित करने के लिये कहा जिस पर बाक ने शत प्रतिशत सहमति जतायी। एक संयुक्त बयान में इन दोनों ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नवीनतम जानकारी के आधार पर तोक्यो खेलों का कार्यक्रम 2020 से आगे की तारीख में तय करना होगा लेकिन यह 2021 की गर्मियों से आगे नहीं होगा।

ऐसे खिलाड़ियों, ओलंपिक खेलों में शामिल प्रत्येक व्यक्ति और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। बयान में कहा गया है, '' इन दोनों ने सहमति व्यक्त की कि तोक्यो में ओलंपिक खेल इस मुश्किल घड़ी में दुनिया के लिये आशा की किरण बन सकते हैं और दुनिया अभी खुद को जिस अंधेरे में पा रही है उसमें ओलंपिक मशाल प्रकाशपुंज का काम कर सकती है। इसके अनुसार, ''इसलिए इस पर सहमति बनी है कि ओलंपिक मशाल जापान में ही रहेगी। यह भी सहमति बनी है कि खेलों को पहले की तरह ओलंपिक और परालंपिक खेल तोक्यो 2020 के नाम से ही जाना जाएगा। यह तोक्यो शहर के लिये बड़ा झटका है जिसकी ओलंपिक खेलों की तैयारियों के लिये अब तक काफी सराहना हुई है। खेलों के लिये स्टेडियम काफी पहले तैयार हो गये थे और बड़ी संख्या में टिकट भी बिक गये थे। ओलंपिक को अब बहिष्कार, आतंकी हमले और विरोधों का सामना करना पड़ा है लेकिन 1948 के बाद इन्हें हर चार साल में आयोजित किया जाता रहा है। यह दुनिया भर में हजारों लोगों की जान लेने वाले कोरोना वायरस से प्रभावित सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता होगी। इस महामारी के कारण दुनिया भर की खेल प्रतियोगिता ठप्प पड़ी हुई हैं। आईओसी पर 24 जुलाई से शुरू होने वाले खेलों को स्थगित करने का दबाव लगातार बढ़ रहा था क्योंकि कोविड-19 के कारण पूरी दुनिया में एक अरब 70 करोड़ लोग घरों में बंद हैं।अधिकतर खिलाड़ियों के लिये ओलंपिक की तैयारियां करना मुश्किल हो गया था क्योंकि इससे उनके बीमारी से सक्रमित होने का खतरा था। विभिन्न प्रतियोगिताएं और क्वालीफायर्स रद्द कर दी गयी थी और अंतरराष्ट्रीय यात्रा सीमित कर दी गयी हैं। रविवार को आईओसी ने पहले खेलों को स्थगित करने के प्रस्ताव पर फैसला करने के लिये खुद के लिये चार सप्ताह की समयसीमा तय की थी। लेकिन कनाडा और आस्ट्रेलिया के बाद अमेरिका, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड ने भी इन्हें स्थगित करने की मांग की जिसके बाद आईओसी पर दबाव बढ़ गया था।

तोक्यो ने खेलों की मेजबानी पर 12 अरब 60 करोड़ डालर खर्च किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि खेलों को स्थगित करने से छह अरब डालर का अतिरिक्त खर्चा होगा। यह प्रायोजकों और प्रमुख प्रसारकों के लिये भी करारा झटका है जो कि विज्ञापन से होने वाले राजस्व के लिये हर चार साल में होने वाले खेल महाकुंभ का इंतजार करते हैं। यह पहला अवसर नहीं है जबकि तोक्यो ने खेलो के कार्यक्रम में बदलाव देख रहा है। उसे 1940 में भी मेजबानी मिली थी लेकिन चीन के साथ जापान के युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय दबाव में उसे इससे हटना पड़ा था। यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप और कई अन्य प्रमुख खेल प्रतियोगिताओं को स्थगित करने के बाद आईओसी को फैसला करने में देरी के लिये कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा था।

आईओए ने फैसले का स्वागत किया

भारतीय ओलंपिक संघ ने कोविड 19 के कारण तोक्यो ओलंपिक एक साल के लिये स्थगित करने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे वैश्विक स्वास्थ्य संकट के बीच अभ्यास के तनाव से खिलाड़ी मुक्त हो जायेंगे। आईओए महासचिव राजीव मेहता ने कहा ,'' आईओए इस फैसले का स्वागत करता है । आईओसी ने आयोजकों और सभी संबंधित पक्षों के साथ इस पर बात की थी ।'' उन्होंने कहा ,'' लॉकडाउन खत्म होने के बाद आईओए खिलाड़ियों, महासंघों, प्रायोजकों के साथ बैठक करके संशोधित योजना बनायेगा ।''

खेल मंत्रालय खिलाड़ियों को निखारने डिजिटल कक्षाएं शुरू करेगा

नयी दिल्ली। खेल मंत्रालय टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टाप्स) योजना में शामिल भारतीय खिलाड़ियों के मैदान के बाहर के कौशल को निखारने के लिए डिजिटल कक्षाएं शुरू करेगा। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को डिजिटल कक्षाओं के बारे में ट्वीट किया जबकि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के एक अधिकारी ने इस योजना के पीछे के उद्देशों को समझाया। रीजीजू ने ट्वीट किया, ''बहुत जल्द हम अपने एथलीटों के लिए डिजिटल कक्षाएं शुरू करेंगे। इसके साथ ही आप जहां भी हों, कृपया अपने सभी महत्वपूर्ण काम खुद ही करें।''इसके बारे में विस्तार से पूछे जाने पर साइ के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, ''यह कार्यक्रम मूल रूप से टाप्स में शामिल एथलीटों के लिए शुरू किया गया। यह खिलाड़ियों के लिए विकास कार्यक्रम है जिसमें उन्हें कानूनी औपचारिकताएं, अनुबंध आदि पर हस्ताक्षर के अलावा मैदान के बाहर के शिष्टाचार जैसे कौशल के बारे में बताया जाता है।'' उन्होंने कहा कि, ''यह पहले कक्षाओं में पढ़ाया जाता था, लेकिन चूंकि हमारे टाप्स एथलीट ज्यादातर बाहर प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसलिए अब इसे डिजिटल रूप से पेश किया जा रहा है, जिससे वे दुनिया में कहीं से भी इसका लाभ उठा सकेंगे।''

कोविड-19 सभी के लिए कड़ा सबक, जो खेलों को बहुत गंभीरता से लेते हैं : अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने कहा कि कोविड-19 के कारण देश में लॉकडाउन होना संभवत‍ प्रकृति का यह याद दिलाने का तरीका है कि कई बार खिलाड़ी खेल को बहुत गंभीरता से ले लेते हैं जबकि जिंदगी में उससे भी कई महत्वपूर्ण चीजें हैं।

कोरोना वायरस के कारण भारत में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 500 से अधिक संक्रमित हैं। विश्व स्तर पर इस महामारी से मरने वालों की संख्या 16 हजार के पार चली गई है। अश्विन ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा, 'अभी इस देश या उस देश पर दोष मढ़ने के बजाय समाधान ढूंढने का वक्त है।

अभी इसका समाधान सामाजिक दूरी और संयम लग रहा है। उम्मीद है कि विज्ञान जल्द इसका समाधान ढूंढेगा।' उन्होंने कहा, 'इस सबमें में एक सबक भी है। हम खेल को बेहद गंभीरता से लेते हैं। खेल से भी बड़ी कई चीजें है जो इसमें बाधा डाल सकती हैं।' कोविड-19 महामारी के कारण दुनियाभर में 15 हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और कई हजार इससे संक्रमित हैं। भारत में भी संक्रमितों की संख्या 500 के पार पहुंच चुकी है।

रियाल मैड्रिड के पूर्व अध्यक्ष का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव

नईदिल्ली (एजेंसी)। स्पेनिश फुटबॉल क्लब रियाल मैड्रिड के पूर्व अध्यक्ष फर्नांडो मार्टिन अल्वारेज कोरोना की चपेट में हैं। उन्हें आईसीयू में रखा गया है। 72 वर्षीय मार्टिन 2006 में टीम के अंतरिम अध्यक्ष थे। पिछले हफ्ते क्लब के पूर्व अध्यक्ष लॉरेंजो सेंज की मौत हो गई थी। यूईएफए ने कोरोनावायरस के कारण चैम्पियंस लीग और यूरोपा लीग के फाइनल टाल दिए हैं। 30 मई की जगह अब चैम्पियंस लीग का फाइनल 27 जून को हो सकता है। वहीं यूरोपा लीग का फाइनल 24 जून को खेला जाएगा। इस बीच यूएफा ने 24 मई को होने वाले महिला चैम्पियंस लीग के फाइनल को भी टाल दिया है। इटली के क्लब युवेंटस को छोड़ सकते हैं रोनाल्डो, यूनाइटेड से जुड़ सकते हैं पुर्तगाल के स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो 2018 में इटैलियन फुटबॉल क्लब युवेंटस से जुड़े थे। वे अब इस क्लब को छोड़ सकते हैं। स्पेनिश स्पोर्ट्स वेबसाइट डियारियो गोल की रिपोर्ट के मुताबिक, रोनाल्डो अपने पुराने क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड या फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से जुड़ सकते हैं।

लॉकडाउन और ओलिंपिक के स्थगित होने के बाद रद्द हो सकता है आईपीएल

नईदिल्ली (एजेंसी)। कोरोनावायरस से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश में 21 दिन की लॉकडाउन के ऐलान के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई पर आईपीएल को रद्द करने का दबाव बढ़ गया है। बीसीसीआई ने इस महीने की शुरुआत में ही लीग को 15 अप्रैल तक के लिए टाल दिया था, तब बोर्ड ने कहा था कि हालात सुधरते ही टूर्नामेंट को लेकर कोई फैसला लिया जाएगा। हालांकि, देश में तेजी से कोरोनावायरस संक्रमितों की संख्या बढ़ने लगी। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, देश में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या 536 हो गई है, वहीं मरने वालों का आंकड़ा भी 10 हो गया।

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने न्यूज एजेंसी से कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए उनके पास इस मामले पर फिलहाल कुछ कहने के लिए नहीं है। गांगुली ने कहा- हम उसी जगह खड़े हैं, जहां हम इसे टालने का फैसला करते वक्त थे। पिछले 10 दिनों में कुछ भी नहीं बदला है। ऐसे में मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है। वहीं, पंजाब फ्रेंचाइजी के को-ऑनर नेस वाडिया तो लीग को रद्द करने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि बड़े टूर्नामेंट के आयोजक के तौर पर हमें बड़ी जिम्मेदारी के साथ काम करने की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर मई तक हालात सुधर भी जाते हैं और मुझे ऐसा होने की उम्मीद भी है, तो भी हमारे पास कितना वक्त रहेगा। क्या उस सूरत में विदेशी खिलाड़ियों को देश में आने की अनुमति मिलेगी।? इससे पहले, मंगलवार को बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजियों के साथ होने वाली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टाल दी थी। इसके बाद ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि बीसीसीआई को अब भी स्थिति में सुधार की संभावना दिख रही, इसलिए वह कोई ठोस फैसला नहीं ले पा रही है। हालांकि, ओलिंपिक 1 साल टलने के बाद अब उसके पास भी ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं। इस मामले से जुडे बीसीसीआई पदाधिकारी ने एजेंसी से कहा- अगर ओलंपिक को 1 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है, तो आईपीएल उस लिहाज से बहुत छोटा टूर्नामेंट है। हमें यह भी सोचना चाहिए, जब सरकार देश में 21 दिन का लॉकडाउन कर रही है तो क्या विदेशी खिलाड़ियों को वीजा मिल जाएगा। ऐसे में लॉकडाउन हटने के बाद भी हालात टूर्नामेंट कराने लायक शायद ही हों।

पीसीबी ने स्वीकार किया, सट्टेबाजी कंपनी को बेचे थे पीएसएल स्ट्रीमिंग अधिकार

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को स्वीकार किया कि उसके वैश्विक मीडिया भागीदार ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) मैचों के 'स्ट्रीमिंग' अधिकार ब्रिटेन की सट्टेबाजी कंपनी को बेचे थे। अंतरराष्ट्रीय 'स्ट्रीमिंग' अधिकार खरीदने वाला वैश्विक मीडिया भागीदार आईटीडब्ल्यू है और उसने पाकिस्तान से बाहर के स्ट्रीमिंग अधिकार 'बेट365' कंपनी को बेचे थे। पीसीबी ने यह मामला संज्ञान में आने के बाद आईटीडब्ल्यू से बात की लेकिन इसके उसे पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों की आलोचना ही झेलनी पड़ी। सच्चाई यह है कि 'बेट365' ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान पीएसएल मैचों पर सट्टा लगाया था। पीसीबी की ओर से जारी बयान के मुताबिक, जब उससे एक अखबार ने इस संबंध में बातचीत की थी तो उसने तथ्य सामने रखे थे।